

ॐ

## जीवन के 10 नियम

- प्रकृति में कुछ भी होय, **मुस्कुराना** नहीं छोड़ना ।
- कैसा भी वातावरण होय, **शांतिपूर्वक व्यवहार** करना ।
- किसी भी रूप मे **भ०** आये, तुम्हें **विक्षेप** न आये ।
- हर समय ई० को **हाज़िर- नाज़िर** देखना ।
- कुछ लेना न देना, **मग्न** रहना ।
- जैसे घर का कचरा कूड़ेदान में जल्दी **फेंक** देते हो, ऐसे ही **neg** विचारों को जल्दी **फेंक** दो ।
- मन के हर सपने, कल्पना से ऊपर **उठ** जाओ । जब भक्त सिर झुकाता है तो प० खुद आकर  **blessings** लुटाता है ।
- जितना बदलना चाहते हो अपने को **बदलो** । जैसे तेज बरसात में अपने को छाते से बचाते हो, फिर भी भीग जाते हो, तो **तप** हो गया । ऐसे आ० पद से नीचे आते हो, जल्दी ऊपर **उठ** जाओ, तुम्हारा **तप** हो गया ।
- **श्रद्धा** को कमज़ोर न होने देना । शंका आये, तो जल्दी निवारण कर लेना । खुसरो . . . ।
- किसी भी वजह से अपने को **दुखी** न करना, अपने को **ज़िम्मेदार** न ठहराना । बोलो - **मैं आनंद स्वरूप हूँ** ।